03. संस्कृत

1. वैदिक साहित्य

देवता

ऋग्वेद –

1. अग्नि 1.1; 5.8 ; सवितृ 1.35 ; 2.38 ; 7.45 ; इन्द्र 1.32 ; 2.12 ; रुद्र 1.114 ; बृहस्पति 10.71 ; सोम 9.73 ; 9.80 ; पुरुष सूक्त 10.90 ; नासदीय 10.129 ; हिरण्यगर्भ 10.121 ;

यजुर्वेद – शिवसंकल्प सूक्त 34.1–6

अथर्ववेद – भूमि सूक्त 12.1

विषय–वस्तु

संहिताएँ, ब्राह्मण एवं आरण्यक, उपनिषद् (ईश ; केन ; कठ ; तैत्तिरीय ; श्वेताश्वतर ; बृहदारण्यक)

वैदिक व्याख्या पद्धति – प्राचीन एवं अर्वाचीन, वैदिक और लौकिक संस्कृत में अन्तर

वैदिक साहित्य का इतिहास

वैदिक काल के विषय में विभिन्न सिद्धान्त–मैक्समूलर ; ए0वेबर ; जैकोबी ; बालगंगाधर तिलक ; एम्0 विन्टरनिट्ज ; भारतीय परम्परागत विचार

ऋग्वेद का क्रम

संहिताओं के पाठ–भेद

वेदाङ्गों का सामान्य एवं संक्षिप्त परिचय

शिक्षा ; कल्प ; व्याकरण ; निरुक्त ; छन्द ; ज्योतिष।

निरुक्त (अध्याय 1 और 2)

चार पद– नाम का विचार; आख्यात का विचार; उपसर्गों का अर्थ; निपातों की कोटियॉ।

क्रिया के छः रूप (षड्भावविकार)

निरुक्त के अध्ययन के उद्देश्य

निर्वचन के सिद्धान्त

अध्याय VII–दैवत काण्ड

SARKARIRESULT.COM

निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियॉ –

आचार्य ; वीर ; गो ; समुद्र ; वृत्र ; आदित्य ; उषस् ; मेघ ; वाक् ; उदक ; नदी ; पुत्र ; अश्व ; अग्नि ; जातवेदस् ; वैश्वानर ; निघण्टु।

2. दर्शन

ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका
सत्कार्यवाद ; पुरुष–स्वरूप ; प्रकृति–स्वरूप ; सृष्टिक्रम ; प्रत्ययसर्ग ; कैवल्य
सदानन्द का वेदान्तसार ;
अनुबन्ध–चतुष्ट्य ; अज्ञान ; अध्यारोप–अपवाद ; लिंगशरीरोत्पत्ति ; पंजीकरण ; विवर्त ; जीवनमुक्ति ; गौड़पाद प्रणीत – माण्डूक्य कारिका
पतंजलि योगसूत्र (समाधिपाद)
केशवमिश्र की तर्कभाषा/अन्नंभट्ट का तर्कसंग्रह
पदार्थ ; कारण ; प्रमाण – प्रत्यक्ष ; अनुमान ; उपमान ; शब्द
जैन दर्शन ; बौद्ध दर्शन

3. व्याकरण एवं भाषाविज्ञान

व्याकरण

परिभाषाएॅ – संहिता ; गुण ; वृद्धि ; प्रातिपदिक ; नदी ; घि ; उपधा ; अपृक्त ; गति ; पद ; विभाषा ; सवर्ण ; टि ; प्रगृह्य; सर्वनामस्थान ; निष्ठा
कारक – सिद्धान्तकौमुदी के अनुसार
समास – लघुसिद्धान्तकौमुदी के अनुसार
महाभाष्य (पस्पशाह्निक)
वाक्यपदीय (ब्रह्मकाण्ड)
व्याकरणशास्त्र का इतिहास

भाषाविज्ञान

भाषा की परिभाषा एवं प्रकार (परिवारमूलक एवं आकृतिमूलक)
भाषाओं का वर्गीकरण
भाषा प्रक्रिया एवं ध्वनियों का वर्गीकरण – स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर एवं स्वर
ध्वनि सम्बन्धी नियम
भारतीय आर्यभाषा की तीन अवस्थाएॅ

4. संस्कृत साहित्य एवं उत्तराखण्ड का आधुनिक संस्कृत साहित्य तथा काव्यशास्त्र

निम्नलिखित ग्रन्थों का सामान्य अध्ययन

पद्य – रघुवंश ; मेघदूत ; किरातार्जुनीय ; शिशुपालवध ; नैषधीयचरित ; बुद्धचरित
गद्य – दशकुमारचरित ; हर्षचरित ; कादम्बरी ; भीष्मचरित ; गंगापुत्रावदान
नाटक – स्वप्नवासवदत्ता ; अभिज्ञानशाकुन्तल ; मृच्छकटिक ; उत्तररामचरित ; मुद्राराक्षस ;
रत्नावली ; वेणीसंहार

SARKARIRESULT.COM

काव्यशास्त्र

साहित्यदर्पण

काव्य की परिभाषा
काव्य की अन्य परिभाषाओं का खण्डन
शब्दशक्ति – संकेतग्रह ; अभिधा ; लक्षणा; व्यंजना
रस (रस–भेद स्थायी भावों सहित)
रूपक के प्रकार
नाटक के लक्षण
महाकाव्य के लक्षण
काव्य प्रकाश (द्वितीय एवं पंचम उल्लास)

5. अन्य

रामायण ; महाभारत ; पुराण ; मनुस्मृति ; याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय) ; कौटिलीय अर्थशास्त्र।

SARKARIRESULT.COM